मासिक ई-समाचार पत्रिका
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर, बिहार- 848125

कुलपति महोदय का सन्देश

मैं ईश्वर और अस्पताल प्रशासन का आभारी हूं, कि हमारा विश्वविद्यालय परिसर बिना किसी अप्रिय घटना के मई 2021 के अंत तक कोरोना मुक्त क्षेत्र घोषित कर दिया गया। मुझे अपने विश्वविद्यालय की टीम पर गर्व है जिन्होंने कोरोना वायरस को हराने के लिए व्यक्तिगत और प्रशासनिक स्तर पर सभी निरोधक और उपचारात्मक उपाय किए। साथ ही साथ मैं जिला प्रशासन को कानून और व्यवस्था बनाए रखने में उनके समर्थन के लिए भी धन्यवाद देता हूँ। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि हमारे विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने न केवल अकादमिक गतिविधियों को जारी रखा और छात्रों को महामारी के कारण उत्पन्न भयावह वातावरण पर काबू पाने के लिए प्रेरित किया, बल्कि शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी प्रेरित किया। हमने वर्चुअल मोड में 10वीं अनुसंधान परिषद की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की है और विश्वविद्यालय में चल रहे सभी अनुसंधान गतिविधियों की समीक्षा की है। इस बैठक में जारी हुई कुल पांच किस्में (3 कंद फसल और 2 संकर चावल) और 9 प्रौद्योगिकियां मेरी भरपूर प्रशंसा और बधाई की पात्र हैं।

अंत में, मैं ईश्वर से विश्वविद्यालय परिवार और उनसे जुड़े सभी लोगों के बेहतर स्वास्थ्य की कामना करता हूँ।

Shrivastava

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
माननीय कुलपति

खण्ड-2, अंक-6
जून 2021

संरक्षक :
डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

संकलन एवं संपादन:
डॉ. (राकेश मणि शर्मा
रत्नेश. कु. झा
प्र. कु. प्रणव
अंकुर जमवाल
आशीष कु. पंडा
गुप्तनाथ त्रिवेदी
कु. राज्यवर्द्धन)

तकनीकी सहायता :
मनीष कुमार

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

कुलपति महोदय की संलग्नता

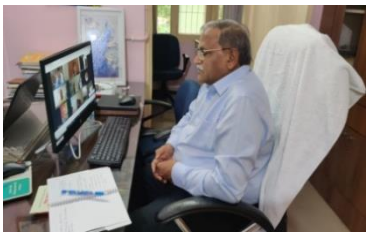

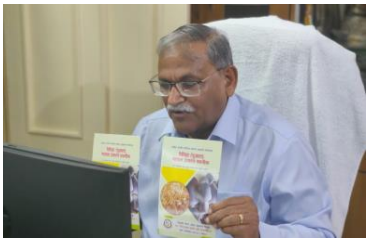

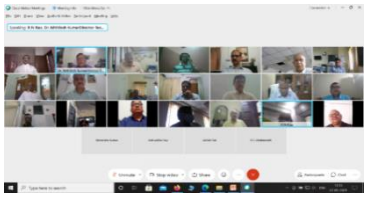

- दिनांक 03.05.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकास आयुक्त, पटना, बिहार सरकार की अध्यक्षता में आत्मा परियोजना की अंतरराज्यीय स्वीकृति समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 05.05.2021 को वर्चुअल मोड में "मिल्की मशरूम कल्टीवेशन टेक्नोलॉजी" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 06.05.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 17.05.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एम.बी.ए (ग्रामीण प्रबंधन) पाठ्यक्रम में सुधार विशेषज्ञ समिति की बैठक की अध्यक्षता की।
- कृषि विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित "यूज़ ऑफ़ टेक्नोलॉजी फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग" विषय पर आयोजित वर्चुअल बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 18.05.2021 से 20.05.2021 के दौरान वर्चुअल मोड के माध्यम से डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की 10वीं अनुसंधान परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 21.05.2021 और 22.05.2021 के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि की 5वीं शिक्षा परिषद के बैठक की अध्यक्षता की।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- दिनांक 27 मई, 2021 को कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पूसा एलुमनी एसोसिएशन ने एलुमनी व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत एलुमनी ई. निरंजन ठाकुर, वरिष्ठ निदेशक-आईटी, IQVIA, उत्तरी कैरोलिना, यू.एस.ए, का "थिंक बियॉन्ड बाउंडरी" विषय पर उत्साहजनक और प्रेरित व्याख्यान आयोजित किया। यह व्याख्यान यू-ट्यूब पर उपलब्ध लिंक https://www.youtube.com/watch?v=HQue7UOrrZg के माध्यम से देखा जा सकता है। व्याख्यान श्रृंखला की अध्यक्षता डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा ने की और सह-अध्यक्षता डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, पूसा ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पी. के. प्रणव द्वारा किया गया जिसमे विभिन्न शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।
- विश्वविद्यालय द्वारा एग्री-वेयरहाउस मैनेजमेंट, एग्री-टूरिज्म मैनेजमेंट और एग्रीकल्चर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन में पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा फार्म मैकेनाइजेशन असिस्टेंट, सीनियर सिटीजन असिस्टेंट, नर्सरी मैनेजमेंट असिस्टेंट, टिश्यू कल्चर लैब असिस्टेंट और आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन एंड एम्ब्रियो ट्रांसफर प्रौद्योगिकी सहायक पर सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। उक्त पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रारंभ है जिनका विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

- दिनांक 2 और 23 मई, 2021 को आयोजित डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा की शिक्षा परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई और निर्णय लिए गए। सभी शैक्षणिक परिषदों की ऑनलाइन कक्षाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। विश्वविद्यालय की संबंधित शैक्षणिक इकाइयों के अधिष्ठाताओं ने बताया कि सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के 80% से अधिक पाठ्यक्रम को पूरा कर लिया गया है और अंतिम परीक्षा जून के महीने में निर्धारित की जा सकती है।
- शिक्षा परिषद ने मध्यावधि परीक्षाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया है और 15 से 25 जून 2021 के दौरान वेब-आधारित टूल के माध्यम से केवल अंतिम परीक्षा आयोजित की जाएगी। मॉडल प्रश्नपत्र पैटर्न के बारे में छात्रों को सूचित कर दिया गया है।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों में विदेशी भाषाओं पर तीन पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। पाठ्यक्रम छात्रों के लिए वैकल्पिक रहेगा।
- विश्वविद्यालय कृषि और संबंधित विषयों में उच्च शिक्षा के लिए खुद को एक अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहा है। विश्वविद्यालय में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सार्क देशों के संबंधित प्रमुखों के साथ एक सम्मेलन की योजना बनाई जा रही है।
- डॉ. मोहित शर्मा, सहायक प्राध्यापक, कृषि व्यवसाय और ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय – डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा ने सभी कॉलेजों के शिक्षकों को Google मीट और इसके विभिन्न कार्यों के प्रभावी उपयोग पर COVID अवधि के दौरान ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित करने पर प्रशिक्षित किया। सदस्यों को उपस्थिति पर नज़र रखने, Google व्हाइटबोर्ड, जैमबोर्ड के उपयोग और असाइनमेंट के प्रस्तुतीकरण और मूल्यांकन पर प्रशिक्षित किया गया।

अनुसन्धान गतिविधियाँ

ई-प्लेटफार्म पर आयोजित १०वीं अनुसंधान परिषद की बैठक (खरीफ)

डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा की 10वीं अनुसंधान परिषद की बैठक (खरीफ) ऑनलाइन मोड (18 से 20 मई और 27 मई) में आयोजित की गई । बैठक के पहले चरण के दौरान, विभिन्न अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजनाओं और अन्य बाह्य वित्त-पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के सभी प्रधान अन्वेषको ने अपनी प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। दूसरे चरण में प्रौद्योगिकी और किस्म विमोचन के प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर छह किस्मों (तीन निजी क्षेत्र की किस्मों) और दस प्रौद्योगिकियों को जारी करने का प्रस्ताव किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में सभी वैज्ञानिक/शिक्षक और प्रमुख विश्वविद्यालय अधिकारी उपस्थित थे ।

कंद फसलों पर भा.कृ.अनु.प.-अ.भा.स.अनु.परि. के तहत विकसित कंद फसल किस्मों का विमोचन

दिनांक 27.05.02 को डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा के 10वीं अनुसंधान परिषद की बैठक में कोलोकेशिया (अरवी का प्रकार) में राजेंद्र अरवी-2 के रूप में तीन नई कंद फसल किस्मों, राजेंद्र सकरकंद -7 के रूप में मीठे आलू और भा.कृ.अनु.प.-अ.भा.स.अनु.परियोजना के तहत विकसित राजेंद्र मिश्रीकंद-3 के रूप में याम बीन की एक किस्म को 10 वीं अनुसंधान परिषद में जारी करने की सिफारिश की गई।

राजेंद्र अरवी - 2

राजेंद्र शकरकंद -7

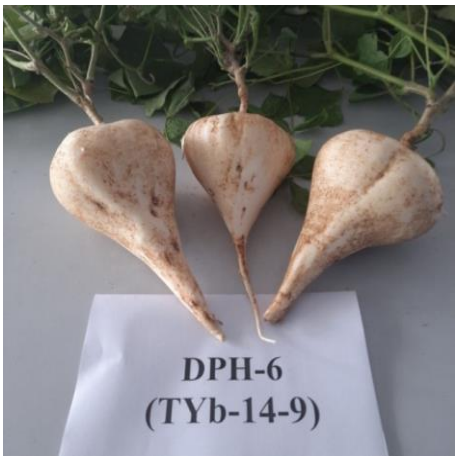

राजेंद्र मिश्रीकंद-3

भा.कृ.अनु.प.-अ.भा.स.अनु.परि. की वार्षिक समूह की बैठक

दिनांक 27-28 मई, 2021 के दौरान कंद फसलों पर भा.कृ.अनु.प.-अ.भा.स.अनु.परि. की वार्षिक समूह की बैठक वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित की गई । परियोजना से जुड़े सभी वैज्ञानिकों ने भाग लिया। बहु-स्थानीय परीक्षणों में कोलोकैसिया बुंदा प्रकार में डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि, ढोली केंद्र की प्रविष्टि की सिफारिश की गई ।

गन्ना अनुसंधान संस्थान द्वारा संकर गन्ना बीज का उत्पादन

गन्ने में बीज प्रसार सामान्य नहीं है। गन्ना अनुसंधान संस्थान, पूसा ने कोविड-19 महामारी की स्थिति में भी राष्ट्रीय संकरण उद्यान, गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर और गन्ना अनुसंधान संस्थान, पूसा में बनाए गए क्रास से प्राप्त फूल से पांच हजार से अधिक संकर गन्ने के पौधे तैयार किए हैं। संस्थान ने तीन प्रारंभिक किस्में (CoP21436, CoP21437 and CoP 21438) और एक मध्य-स्तर की किस्म (CoP21439) विकसित की है जो परीक्षण के चरण में हैं। इन किस्मों में उच्च सुक्रोज सामग्री के साथ अधिक उपज होती है। अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजनाओं के परीक्षणों में उन्हें शामिल करने और राज्य के द्वारा रिलीज के लिए बीज गुणन का कार्य प्रगति पर है।

नई स्वीकृत परियोजनाएं

- राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन.एफ.डी.बी), हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित मत्स्य विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से 'गंगा बेसिन की नदियों में रिवर रैंचिंग प्रोग्राम' नामक एक परियोजना को मंजूरी दी गई है।

- भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.एफ.टी), कोचीन के सहयोग से 'अनुसूचित जाति (एस.सी) समुदाय के बीच मछली प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से उद्यमिता विकास' नामक एक अन्य परियोजना को मंजूरी दी गई । विश्वविद्यालय ने भा.कृ.अनु.प.- केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस संबंध में, वर्चुअल मोड पर एक समीक्षा बैठक 20 मई, 2021 को माननीय कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें सी.आई.एफ.टी-एस.सी.एस.पी/टी.एस.पी कार्यक्रम के लिए व्यापक कार्य योजना और कृषि विज्ञान केन्द्रों के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर चर्चा की गई ।

प्रसार गतिविधियाँ

ई- कृषि चौपाल

डॉ. पी. के. प्रणव ने दिनांक 7 मई 2021 को प्रसार शिक्षा निदेशालय, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर द्वारा आयोजित "ई-कृषि कृषि यंत्रण चौपाल" में "उठा हुआ क्यारी रोपण तकनीक-संसाधन संरक्षण का एक प्रभावी तरीका" विषय पर व्याख्यान दिया साथ हीं उनसे खेती संबधी उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर चर्चा की ।

सी.आर.ए. समीक्षा-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 19.05.2021 को परियोजना निदेशक, सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ऑन क्लाइमेट चेंज द्वारा सी. आर. ए. समीक्षा की बैठक आयोजित की गई थी जिसमें कृ.वि.के. के सभी प्रमुखों, सी.आर.ए कार्यक्रम के सभी सह-पी.आई और सभी आर.ए और एस.आर.एफ ने भाग लिया। कृ.वि.के. की ग्रीष्मकालीन फसल के प्रदर्शन के साथ-साथ खरीफ की बुवाई की तैयारियों की समीक्षा की गई। लेजर लेवलिंग, कस्टम हायरिंग सेंटर, न्यूट्रिएंट एक्सपर्ट, ग्रीन सीकर, लीफ कलर चार्ट और अल्टरनेट वेटिंग एंड ड्रायिंग पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ऑन क्लाइमेट चेंज द्वारा आयोजित वेबिनार

सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ऑन क्लाइमेट चेंज ने दिनांक 20 मई 2021 को "आपदा के प्रारंभिक चेतावनी संकेत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग" विषय पर एक वेबिनार में भाग लिया। इसका आयोजन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एन.आई.डी.एम) और उत्तर पूर्वी अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एन.ई.एस.ए.सी) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

कृ.वि.के. तुर्की में मछली की खेती और विश्व मधुमक्खी दिवस का ऑनलाइन प्रशिक्षण

कृ.वि.के. तुर्की ने दिनांक 27-05-2021 को मछली की खेती और मछली फ़ीड के ऑनलाइन प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजन किया। इस प्रशिक्षण में 33 मत्स्य पालकों ने भाग लिया। वर्चुअल मोड द्वारा 20.05.2021 को विश्व मधुमक्खी दिवस का भी आयोजन किया गया। इसमें वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृ.वि.के.,सैरेया द्वारा मधुमक्खी पालन पर विस्तृत चर्चा की गई।

किसान गोष्ठी और कृ.वि.के, तुर्की में प्रशिक्षण

कृ.वि.के. तुर्की, मुजफ्फरपुर ने 27.05.2021 को ऑनलाइन किसान गोष्ठी और टिकाऊ कृषि पर प्रशिक्षण का आयोजन किया, जिसमें 19 किसानों ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रशिक्षण लिया।

मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 14 राज्यों के किसानों ने लिया भाग

ई.एल.पी मशरूम, टी.सी.ए ढोली सेंटर और 'अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना-मशरूम' ने संयुक्त रूप से 27-29 मई 2021 तक मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी पर तीन दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 14 राज्यों के 90 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा ने सभी अधिष्ठाता और निदेशकों की उपस्थिति में किया। डॉ. वी.पी.शर्मा, निदेशक भा.कृ.अनु.प.-डी.एम.आर, सोलन इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र के दौरान मुख्य अतिथि के रूप मे मौजूद थे।

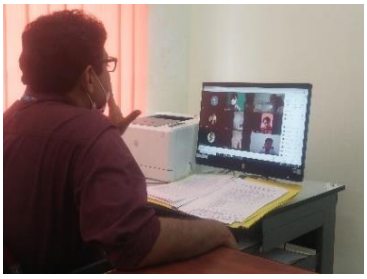

सी.आर.ए. कार्यक्रम के तहत किसानों के लिए आभासी प्रशिक्षण

सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ऑन क्लाइमेट चेंज ने कोविड -19 महामारी के मुद्दों के आलोक में लॉकडाउन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग से सी.आर.ए कार्यक्रम के तहत किसानों के लिए आभासी प्रशिक्षण शुरू किया। लेजर लैंड लेवलिंग, डायरेक्ट सीडेड राइस, हरी खाद, जीरो टिलेज के साथ बुवाई के साथ-साथ फसल विविधीकरण और गहनता पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में राज्य भर के हजारों किसानों ने भाग लिया।

तरल जैव उर्वरक की कम लागत वाली उत्पादन तकनीक

जैव उर्वरक उत्पादन इकाई, मृदा विज्ञान विभाग, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में ग्राम स्तर पर तरल जैव उर्वरक की कम लागत वाली उत्पादन तकनीक विकसित की गई है। यह तकनीक किसानों को ग्राम स्तर पर तरल जैव उर्वरक का उत्पादन केवल रु. 10,000.00 मे करने में सक्षम बनाती है ।

अवार्ड , खेल, महत्वपूर्ण दिवस इत्यादि ..

COVID-19 महामारी से बचाव: COVID-19 महामारी के खतरे से निपटने के लिए विश्वविद्यालय ने भारत सरकार और बिहार सरकार द्वारा जारी सख्त दिशा-निर्देशों को लागू किया। इन दिशा-निर्देशों के अनुरूप, विश्वविद्यालय को 5 मई से पूर्ण रूप से बंद कर दिया गया और सभी शैक्षणिक, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों को भौतिक मोड में निलंबित कर दिया गया । इसके अलावा, छात्रों, शिक्षकों, एवं उनके परिवार के सदस्यों ओर कर्मचारियों को टीकाकरण और COVID-19 उपयुक्त व्यवहार के लिए प्रोत्साहित किया गया।

- डॉ. शिवेंद्र कुमार, सह -प्राध्यापक, एक्काकल्चर विभाग, को 3.367 इम्पैक्ट फैक्टर (NAAS स्कोर-9.37) वाले फ्रंटियर्स इन फिजियोलॉजी जर्नल (एक्वाटिक फिजियोलॉजी) में गेस्ट एसोसिएट एडिटर के रूप में नामित किया गया ।
- एक्काकल्चर विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अंकुर जामवाल ने यॉर्क यूनिवर्सिटी, कनाडा द्वारा " लागत प्रभावी मत्स्य आहार विकसित करने हेतु मत्स्य जीव विज्ञान और शरीर विज्ञान को एकीकृत करने" के विषय पर आयोजित संगोष्ठी में आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
- प्रभार कुमार भगत और सुरभि गौतम, बी.एस.सी. (प्रतिष्ठा) कृषि, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली सहित कई अन्य छात्र-छात्राओं को ऑर्गेनिक वैली प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र, कंपनी में बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट्स के रूप में चुना गया ।